

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन,

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तराखण्ड जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 05 मार्च, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में जिला सैक्टर के अन्तर्गत अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों में स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान (एस0सी0पी0) के अन्तर्गत हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या 3244/प्राँजल-3/स्पे0कम्पो0प्लान/2006-07 दिनांक 03.10.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों में हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान (एस0सी0पी0) के अन्तर्गत जनपदवार निम्न विवरणानुसार रु० 270.00 लाख (रुपये दो करोड़ सत्तर लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(रु० लाख में)

क्र०स०	जनपद	हैण्डपम्पों की संख्या	मांग की गयी धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
01	02	03	04	05
01	पौड़ी	21	40.32	40.23
02	त्रिमोली	16	30.72	30.65
03	रूद्रप्रयाग	15	28.80	28.73
04	टिहरी	18	34.56	34.49
05	उत्तरकाशी	15	28.80	28.73
06	नैनीताल	11	21.12	21.05
07	अल्मोड़ा	10	19.20	19.13
08	बागेश्वर	10	19.20	19.13
09	पिथौरागढ़	15	28.80	28.73
10	चम्पावत	10	19.20	19.13
	कुल योग	141	270.72	270.00

१८

2. प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल जनपद देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किशतों में किया जायेगा। आहरण से संबंधित वाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध करायी जाय।
3. धनराशि आहरण के उपरान्त शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर सम्बन्धित जनपदों को अवमुक्त करते हुए इसकी सूचना दिनांक 31 जनवरी 2007 तक शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।
4. हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 3093/उन्तीस/05-2(50पे0)/2004 दिनांक 18.01.2005 एवं शासनादेश संख्या 1016/उन्तीस/05-2-पे/2005 दिनांक 15.04.2005 द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं धनराशि के उपयोग का विवरण मासिक रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
6. स्वीकृत धनराशि जिन मदों हेतु अवमुक्त की जा रही हैं उन्ही मदों में व्यय की जाय एक मद की राशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
7. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
8. स्वीकृत कार्यों की लागत के सापेक्ष सैन्टेज चार्जज नियमानुसार लिया जायेगा। जो किसी भी दशा में 12.50 प्रतिश से अधिक नहीं होगा।
9. स्वीकृत हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन ऐसे स्थानों पर किया जायेगा जो क्षेत्र वास्तव में अभावग्रस्त है तथा इसका लाभ अधिक से अधिक जनसंख्या को प्राप्त हो सकें।
10. उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-"2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति- आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम- 05-नगरीय पेयजल -91-हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता" के नामे डाला जायेगा।
11. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 2154/XXVII(2)/07 दिनांक 07 फरवरी, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

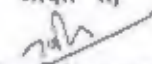
(कुँवर सिंह)  
अपर सचिव

संख्या 2705/उन्तीस(2)/07-(27पे0)/2006 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।

2. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. संमस्त जिलाधिकारी (देहरादून, हरिद्वार एवं उद्यमसिंहनगर को छोड़कर)।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, (गढ़वाल/कुमायूँ), पौड़ी/नैनीताल।
7. वित्त अनुभाग-2/नियोजन प्रकोष्ठ/वित्त (बजट सैल)।
8. संयुक्त विकास आयुक्त, पौड़ी/नैनीताल।
9. आयुक्त ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड।
10. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून/नैनीताल।
11. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
12. स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
13. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 14. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
15. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(नवीन सिंह तड़ागी)  
उप सचिव